



निष्प विषयः भिर्मे स्थान्य क्षित्र स्थान्य क्षित्र स्थान्य विषयः स्थान्य क्षित्र स्थान्य स्था

झट्याय्यायटी. ज्यायावी. याचेयायी. स्वायायी. स्वयायी. स्वायायी. स्वायायी. स्वायायी. स्वायायी. स्वायायी. स्

नेत्री लाजव पाते क्रिंत प्राप्त क्रिंत क्

स्वर्भात्वा क्रियाक्षात्वा क्रियाक्

क्षे.सीपु.भूषेच.पट्टे.मूट्र.ता.मुच.या.च्यट्री लट.पश्चेर.याञ्चवा.वाशेट.ऱ्याय.वायट्री सज.कुर.ट.ज.मुट्र.ज.श्च.पहूच.ख्यय.रू.त्य. बे.मु.मू



১৯৯০ মি ক্র'বাইব ক্রেব্যর্ল ইনি শ্লুন শ্লুন শ্লুন শ্লুন শ্লুন শ্লুন ক্রেবা দু LRZTP 9 Module 3 – Lesson 24, November 2023

त्रश्रुम् न्यत्रः विषय्वित्तर्वे स्तर्वे स्तर्वे स्वावित्तः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः

कॅयाक्रॅव पार्चालाञ्चव पायावयापाक्षात्ति तर् क्रेया रत्योवाक्रंयानुस्यास्याति वर्षा

बर्गार्वे नः क्षेत्रित्र तर्ने क्षान्य व्यापेत्र

निषी वदितः भूपमा सु वद्राया नितः द्वा वा यो देश द्वा वा यो देश द्वा वा यो देश द्वा वा यो देश देश

तशुराबेदा दी:पादी:पावार्य: तद्वा तदीते: भ्राप्यास्। बद्दाः पावारी: स्वीते: त्युवाः शुक्तः त्याते:

भ्रान्ते त्यावन त्याचे स्वी प्राप्त कर्म वर्षा वर्षा के व्यवस्था वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्षा

થ્રદા યાદ્રે સુયાને ર્જીયાને રજીયાને ર્જીયાને ર્જીયાને ર્જીયાને રજીયાને રજીયાન

नेनी अल्ला न्रान्यामा क्रिया केंद्रा

द्य प्रते क्षे वर्ष ज्व न्वे र्षे राष्ट्री र्षेन रेन्

में भी सुगमा हे गम् ना प्रामान सुन सुन साम हिन सा होन हो ।

दशुर बेदा क्रें सारे वा सुरा व रायवा रें र्योद रेदा

শ্ব্রিন'র্ক্তব্য প্ ১ প্রতিবাধিনা

ৰ্দ্'ব্ৰি'শ্ৰ্দ্' Buddhist scriptures, Buddhist texts

ৰ্মূন্য defect, fault

র্থ্য to give up, to abandon (র্থ্য্যুন্ম'ব্'/ম্থ্রুন্ম'ব্'/ম্থ্রুন্ম')

वर् भेषा perception

বশান'র্ক্স'ল্'বা to receive *Dharma* teachings (h) (লু'ব'/লুম'ম'/লু'ব'/লুম')

বন্ধুব'ন্র্র্ত্বা treatise, commentary (Skr. shastra)

ব্র'ব্দ'সুম'ব৷ giving examples, illustrated by examples (lit. joined with an example)

चेत्रवाहत्या to point to, to focus on, to direct (वाहेत्यः/वाहत्यः/वाहत्यः/वाहित्

বিস্থান্য face down, upside down

ৰিবৰ'ৰ্ম্বা leaking bottom, a hole in the bottom বহুৰ'বা to mix, to mingle (বহু'ব'/বহুৰ'ব'/বহু'ব')

হর'ব। to remember (হর'ব'/হর'ব'/হর'ব'/হর')



ण्णा में र्जू पार्मे के के नवार में ते स्मित् श्चिर स्मित स्मि

LRZTP 9 Module 3 – Lesson 24, November 2023

oneself

Dharma teacher, Dharma expounder

skillful, proficient

bodily sickness

to disturb, to cause disquiet

attachment, desire

anger, aversion

ignorance, stupidity

mentioned above, mentioned earlier



১৯৯০ মি ক্রেন্ নি ক্রিন্ট্রন ক্

श्चितः क्ष्यः १८ रादः क्ष्याः वाष्यरः क्ष्याः तत्त्वितः तत्त्रीयः तत्त्रीयः तत्त्रीयः

वट्रायंत्रायावृद्रा

Buddhist scriptures, Buddhist texts

ৰ্দেশ = Buddhist, those who look inside, as in: বৃদ্ধুন্দ = homework, খ = ব্ৰুণ্ড্ৰা, makes it into a person; ইণ্ড্ৰেণ্ড্ৰা; বৃদ্ধিন = text, scripture, as in: ২ন্

ষ্ট্রব'বার্থাঝ'য়৸'বা

to give up the three faults, to abandon the three flaws

(সুঁক্' = fault, flaw; বাষ্ট্রক' = three, as in: নুর্গান্ত্র জার্ক্তবা বাষ্ট্রক' = The Three Jewels; স্থান্ত্র' = to abandon, as in: নুন্ন্ত্র'ন্ন্ত্র' = what is to be adopted and discarded)

पर्टे.चेबायबुत्यक्षेत्री

to embrace the four perceptions, the take up the four ways of perceiving (বেচ্'নিম' = perception; বেচ্'ন' = to collect, assemble; নিম'ন' = to know, to cognize, as in: আনিম' = primordial wisdom নিম'ন্ন' = insight; বার্ল' = four, as in: ক্রম'ন্ন' = the four seasons; বাষ্ট্রবাদ' = to rely upon, as in: জারাজি বাষ্ট্রবাদ' = to visit, see a doctor)

चर्मातःक्र्याःबुःग्रमःतर्गुःनुया

when going to receive a *Dharma* teaching, when going to listen to a *dharma* talk (বিশ্বন' = speech (H), as in: বিশ্বন' দুল্ল' দুল্ল' দুল্ল' দুল্ল' ভাল the word of the Buddha and the commentaries, বিশ্বন' দুল্ল' দুল্ল' = to have a conversation (H); ক্রমণ = dharma, as in: দুল্ল' দুল্ল' দুল্ল' = Hinduism; দুল্ল' = to say, to take (h) as in: ব্রুব্দেল' = waiter, attendant; শ্লুব্দুল্ল' = nurse; ব্রুব্দেল' = connective; ব্রেক্ত্ল' = to go, as in: শূল্ল' দুল্ল' = preliminaries, শ্লুব্দুল' = refuge; ব্রুব্দুল' = time, as in: দুল্ল' = time, ব্রুব্দুল' = Kalachakra initiation)

षण'र्च'अ'वृत्र'रादे'र्भ्रुत्।

the fault, flaw of not listening well, carefully

(আলার্স = good, well; বা = not = দ্বাবা স্থা, as in: ব্রায়াত্তর বা ন্যুষাবা = [all] sentient beings without exception; বুর্বাবা = to listen, as in: বুর্বাইবা = listeners, shravakas; বি = নেন্ন্র্বাস্থ্য; শ্রুবা = flaw, fault)

र्देव:द्याः क्लें त्याः अपहेंव:परि: क्लेंबा

the fault, flaw of not keeping the meaning in mind

(ইব' = meaning, purpose, as in: বাৰ্ব ইব'শ্ব' = to accomplish the benefit of others; হ্ব' = plural marker; শ্ব' = mind, as in: শ্বর্তা = kind minded; বাং = বাং ইব'; বাং = দ্বাবা'শ্ব', as in: বাংবা'ন্ = ignorance; বেইব'ন = to hold, grasp, as in: বাংবা'ন = self grasping, বেইব'শ্ব' = class, ব্যন্ত্র' বেইব' = holder of the teaching; বিং = বেশ্বিব'শ্বু'; শ্বরূব' = flaw, fault)

© 2023 LRZTP

4



১৯৯০ মি ক্রেন্ নি ক্রেন্ নি ক্রেন্ নি ক্রেন্ ক্রেন্ট ক্রেন্ট

ব্যাম্যান্ত্র ব্যাম্প্র ব্যাম্প্র the fault, flaw of listening with a negative mindset, bad motivation

(ব্ৰথম'ন্ত্ৰ' = thought, intent, as in: ব্ৰথম'ন্ত্ৰ্ৰ'বাচ্চ্চিত্ৰ' = to reflect, think; ব্ৰক্ষ'ন = bad, negative, as in: ব্ৰক্ষ্ম'ন্ত্ৰ্ৰ্ব্ৰ' = the three lower destinies; বি = এইবা স্থা; শ্ব্ৰুম্ = in terms of, as in: শ্বৰ্জা = door, আইন্ শ্ব্ৰুম্ = ceremony; প্ৰক্ষম' = to listen, as in: প্ৰক্ষম' = listeners, shravakas; বি = এইবা শ্ব্ৰুম' = flaw, fault)

বষ্ণুব্'বর্তুঝা

commentary, treatise, shastra

(বন্ধুব্'ব্' = to show, to teach, as in: বন্ধুব্'বেইব্' = holder of the teaching; বইষ্'ব্' = to be fabricated, corrected, as in: খ্লুব্'বেইব্' = to cure, treat a disease)

र्चे'र्ट्स

together with an example, illustrated by an example

(স্বী' = example, as in: বাদ্যাস্থাস্থা = proverb; স্ক্' = স্ক্' : ষ্ক্রুম'ন্' = to join, as in: শ্রুম'ন্থান্য' = the Path of Joining)

इ.य.थु.वोटेट.वि.झैय.क्ष.युपु.भूर्यी

the fault of not listening (lit. not directing one's ears), as though [a cup] turned upside down

(ক্র'ব' = ear, as in: ক্র'ল্রুব্ = ear ring; রী' = "not", ন্বাবা'্র্রা', as in: রী'দ্রবা'্রা' = impermanence; বাদ্রন্'ব্য' = to direct, to focus, as in: বাষ্য্রম'বাদ্রন্'ব্যাহা to found, to establish; বে' = mouth, as in: বি'্রাল্রা' = food; স্কুব্ = a vessel upside down; প্রান্ত্র' = like, as in: বিন্ত্রা'প্রান্ত্রম্বা'হার্বি'ইব্যাহার্বিল্রা'র্ন্ত্রম্বা' = "There is no evil like anger"; রী' = এইব্যাহ্র্র্র্র'; স্কুব্ = fault, flaw)

चित्र वित्र वित्र क्षेत्र क्ष

(এন্ = mind, as in: এন্ট্র্স' = trust; বা = বা দ্র্র'; রা = "not", ন্বাবা স্থা, as in: রা বার্ত্রেল = impure; বাইর'ল = to hold, grasp, as in: বান্ত্রেল = self grasping, বাইর'ল্য = class and classroom, বাস্তুর্বেলইর' = holder of the teaching; বান্ত্রেল = foot (H), as in: বার্ত্রেল বাল্তা = to dance, বার্ত্রেল স্থান = kora (H); ইবা = to come out, burst; প্রার্ত্র = like, as in: বিন্দ্রেল প্রার্ত্রিল বার্ত্রিল বার্ত্রেল বার্ত্রিল বার্ত্র বার্ত্রিল বার্ত্র বার্ত্

(র্নুর্ক্রের্ম্বর্ম = disturbing emotions, as in: ব্র্মান্ত্র্ম্বর্ম্বর্ম = the cognitive and afflictive obscurations; দুদ্র = দুদ্রের্ম্বর্ম = to mix, mingle; দুবা = poison, as in: দুবা বাস্ত্র্ম = the three poisons, দুবা স্থ্রুদ্র = mosquito; হুবা = having, as in: ব্রুম্বর্ম হুবা ব্যাক্রির্মান্ত্র্ম = animal; শ্বর্ম্বর্ম = like, as in: বিদ্যুদ্রিশ্বর্মান্ত্র্ম = "There is no evil



১৯৯০ মি ক্রেন্ নি ক্রিন্ট্রন ক্

like anger"; $\mathbf{\hat{A}}' = \alpha \mathbf{\hat{A}}' \mathbf{\hat{A}}'' \mathbf{\hat{A}}''$

वाषायःचॅं द्व सुं के तर्व

I don't remember clearly

্ৰোম্ব্ৰেংহাঁ = clear(ly) as in: বাম্ব্ৰেংক্ট্ৰ্ন্ ব্ৰহ্মণ = the unity of clarity and emptiness, বাম্ব্ৰেংহাঁ নেই ন' = to clarify; ব্ৰুষ্ণ = to remember, memory, mindfulness, as in: ব্ৰুষ্ণাইন্নি ন' = to remind somebody; ক্লা = ন্বাৰাজ্যা, as in: ক্লান্ত্ৰা না = লাক্ষ্যান্ত্ৰা = লাক্ষ্যান্ত্ৰা

ধন্য.ছুমা

most likely, most probably (can also mean a majority)

(ধ্বে = general, common, as in: ধ্বাস্থান্ত = common dialect; ঠেন = ঠেন্ট্র = big, as in: শ্বান ক্রিক = elephant, ব্যাব দ্বির ঠি = possessing great kindness)

र्द्र'वेद'या'व्र्द्र'स्थित्र्द्र'म्था the perception of oneself as a sick person, a patient

(মন' = oneself, as in: মন্ত্র্ব্র' = home work; বিল্ল = emphasiser, as in: ক্র্নির' = emphasiser, as in: ক্র্নির' = emphasiser, as in: ক্র্নের' = disease; প্রস্ত্র' = like, as in: ক্রির্ন্ত্র' শুলুবে শুলুবে ভালি = "There is no evil like anger"; বিল্লের্ন্তর্বর' ভ্রাল্বর' লেক্রের' = caল্লির্ন্তর' লেক্রের' = perception, বিল্লের ভালি = perceptio

নুসম্প্রান্থ ক্রম্প্রান্থ ক্রম্প্রান্থ ক্রম্প্রান্থ কর বিদ্যালয় the perception of the *Dharma* to be practiced as the medicine (নুসম্প্রান্থ = to degenerate, as in: নুসম্প্রান্থ = experience, নুসম্প্রান্থ = to practice; নুস্প্রাণ্ড = to adopt, take up, as in: নুস্প্রাণ্ড = what is to be adopted and abandoned; নিশ্বান্থ = dharma, as in: আপুরিক্র্যান্থ = Christianity; স্কুর্ণ = medicine, as in: স্কুর্ণ ব্রুল = hospital; স্কুর্ণ বর্দ্ধ = perception like...(See above)

र्ट वीषाक्षा भाषा निवास as the process of recovery from the illness

(মন' = oneself, as in: মন'র্মুন' = home work; বীষা' = ট্রান্মুন'; হ্রান্ধা' = Dharma, as in: দ্বি'হ্রান্ধা' = Hinduism; ঝবাঝির'বাষ্ক্রম'বা' = to practice, to apply; ঝবা'বা' = hand; ঝব'বা' = to take, as in: বিষ্ণামীর'বা' = to accept; মন্ত্র' = this; ঝা' = বা'র্ন্র'; রন্ত্র' =



🇠 में प्रमानिक के कि स्वास स

LRZTP 9 Module 3 – Lesson 24, November 2023

disease, as in: ব্ৰদ্ৰ'ক' = sickness; **দ্বাই'দ্ৰ**' = to restore, repair, as in: দ্বা**শ্ৰাই**'দ্ৰুব্ ্ৰ' = to recover; শ্লু'মুবি'বেন্' প্ৰম' = perception like...)

र्देव'न्य'या'रे'ल'र्यो'न्येंब'रेन्।

How should this meaning be understood, interpreted, thought of?

understand, as in: 5 ব্ৰাপ্ত = to understand; দ্বাপ্ত = must, to have to, as in: দ্বাপ্ত

` भ्रेते'शुषा'ग्री'व'र्क'न्ट्-वट्-पा

sickness, disease of the outer body, sick person, patient

(ষ্ট্র' = outward, outer, outside, as in: ষ্ট্রান্ত্রাব্য = abroad, foreign country, ষ্ট্রার্থাব্য = outside; ব্লৈ = ব্ল্রিঝান্ত্রা; প্রবা = body, as in: প্রবা স্থেমা = physical exercise, ব্রন্ = rainbow body; **ব্ র্ক'** = disease, as in: **ব্র র্ক'**ন্ইব্বাংবং = to be struck by a disease; ব্দ' = ব্দ'স্থ্য'; ব্বদ্'ব' = sick person, as in: খ্লিদ'ব্বদ্' = heart disease)

(**রে'** = "not", দ্বাবাস্ত্র', as in: রামবান্তর্'**রা'**এবান্ত্র' = [all] sentient beings without exception; বি'ব্য' = peace, as in: বি'ব্য' = peace and well-being; ট্রিব্যাবর = agent, the one who does the action; খ্রী = বহীবা স্থা; র্বুব শ্রহাণ = disturbing emotions, as in: প্রাম্বর্ণন্দ্র বাষ্ট্রবাল = cognitive and afflictive obscuration)

तर्देट.कवाया.खे.क्रट.वाहे.खेव

attachment/desire; anger/aversion; ignorance/stupidity

(বেইব্ৰেজ্ব্য = attachment/desire as in: বেইব্ৰে = to wish, to want, বেইব্ৰূখ = king of one's wishes (a Tibetan word category); ক্রবার্যন্ত = to become; বিশ্বন্ত = anger/aversion, বি = inclination of the mind, ছুদ্ৰ = hate, hostility; বাদি স্থাবা = ignorance/stupidity; স্থ্যুবা = pollution)

ने भ्वाया केतरीं पेंन अवित्र

somebody who strongly has that (which was previously mentioned)

(বি' = বি'্রা'; প্রবাশক্তর র্থা' = strong(ly), as in: ঐঅঅ'ব্রবাশ' = enthusiasm, ক্তর র্থা' = big, as in: শ্লুদ্ৰান্ত্ৰৰ = elephant; আঁদ্ৰ = having; আবন্ত্ৰ = nominalizer, makes it into a person)

यर्देर'वा

in brief, to summarize, in short

 $(\mathbf{x})\mathbf{\ddot{f}}\mathbf{\ddot{x}}' = \text{in short}, \mathbf{x})\mathbf{\ddot{f}}' = \mathbf{x})\mathbf{\ddot{f}}'\mathbf{\ddot{z}}' = sutra; \mathbf{\ddot{q}}' = \mathbf{\ddot{q}}'\mathbf{\ddot{f}}\mathbf{\ddot{q}}' = \text{if})$

(বাঁদ্ৰ' = above, as in: বাঁদ্ৰ'ঝ'ঝঠবা = His Holiness; দু' = এ'দুঁর'; ব্রুম'ঘ' = to say,



১৯৯০ কি কু বার্ল কৈ ক্রিল ক্

(বেদ্বানী = four perceptions (see above); দুদ্ৰ = দুদ্ৰ ; শ্বর = to have, to be endowed with, as in: দুবাব শ্বর = Tushita, স্ক্রেগশ্বর বিদ্যাল = The Transcendent Conqueror; শ্বর = in terms of, as in: শ্বর = door; নুর দ্বা = to hear, as in: নুর ভাগা = listener, shravaka)

ଦ୍ୟାସ୍ଟ୍ୟସ୍ଟ୍ୟସ୍ଟ୍ର୍ସ୍ୟ୍ଟ୍ର୍ଟ୍ୟୁପ୍ର୍୍ୟ୍ର୍ମ୍ I'll try as hard as I can / as hard as possible – not to forget [these things]

(বাদ = what; প্রবাদ্য = can, to be able to, as in: প্রবাদ্য = Thubten, Tibetan name; বা = দ্বাদ্য বা as in: বা ক্রিবাদ্য = ignorance; বাইন্দ্র = to forget, as in: দ্রবাদ্য = to do)





Grammatical aims of this lesson

After studying this lesson you will know:

- "the way of doing X"
- "the customary way of doing X"

The nominalizers স্থান্মা, প্রুথা and প্রুথা

Like the other nominalizers (introduced in Lesson 18), these syllables are added to Present Tense verbs, turning them into nouns. Though they can all be roughly translated as "the way of doing X," they have varying meanings and usages:

The nominalizer [is straightforward and literally means the "way," "style" or "manner" in which the action of the verb is accomplished. When translated into English, it may also be expressed as "how." There are in addition some fixed terms which involve [[] [], such as:

प्रकाः मुं 'प्रिन' हिन्य attitude

ষ্টান্টবি'বেশ্ৰ্ৰ্'ষ্ট্ৰেন্ম্ ways of the world (lit. of life)

For example:

ख्रिट्-रट-ब्रॅग्-ब्रॅग्-पर्ने न्स्न्य नेषाग्री-ल्र्

Do you know how to make *momos* (lit. the way to make *momos*)?

The above question could also be expressed as: ট্রিন্'ম্ন'র্ম্বা

बोम्रवान्त्यवान्त्रवान्

This animal walks strangely (lit. the way this animal walks is strange). Perhaps its leg hurts.



১৯৯০ মি ক্রেন্ডের বিল্লান ক্রিন্ডের বিল্লান ক্

तह्त्राच्चीत्रत्रत्राक्षीत्रर्गाचीत्रम्भत्त्रात्र्वाक्षात्र्वाक्षात्र्वाक्षात्र

There are many different ways of having fun in [this] world.

ष्टिन् रस्यां वेषाययाया प्राप्ति रायने वारा सेन् रने राया स्थान वार्षे रस्य स्थाने वार्षे रस्य स्थाने वार्षे र

What you said is true. But the way [you] said it was not quite okay.

तःश्र.रेषु.ष्यमःस्र.पवियःक्षेटमार्नःश्वेटःह्र.त्र.खे.रेबाकाःपरीवा

This girl's dancing style is very beautiful!

८.क्ष्युं.र्वा.मेथ.जवायाग्रीयाञ्चरयान्त्रात्यात्रात्यात्रात्या

Our teacher's teaching style is good.

2) র্কুথা

In literary Tibetan, স্ক্র্যা is the more commonly used nominalizer. It is more common than সুক্রা It can also be used colloquially but is a bit more formal. Thus, in general, সুক্রা is much more colloquial and স্ক্র্যা more literary. However, সুক্রা also appears in texts and স্ক্র্যা in the spoken language. For example:

ञ्च.शयाञ्चेत्रा.केवा.क्वा.को.भूर.जाशट.त्.वशिटया.सूटा (or: भूशाकीवा.केटया)

The lama spoke a lot on how to meditate.

म्बर् त्याया ग्री त्योवा प्रम् पावट स्वाया प्रमाया प्रमाया प्रम्

The teacher's way of explaining is extremely lucid/clear.

ৰ্ক্মা also forms part of certain fixed terms, such as:

ব্ৰম্মাৰ্ক্না opinion (H) ব্ৰল্বিমাৰ্ক্না

বাৰ্বাস্ক্ৰা situation (lit. way of abiding), also expressed as বাৰ্বাস্থ্ৰেয়

Additional side note

In addition, there are two functions of two where it does *not* mean the "way" or "manner" of doing something, and where it cannot therefore be replaced by \square\tau_{\tau}:

a) saided to a statement to express that the speaker is not sure that the information is true. For example:



১৯৯০ মি ক্রেন্ নি ক্রিন্ট্রন ক্

न्वॅब्रायायन्तेत्रव्याच्यायासुस्रायमुण्डसार्धेन्।स्यायम्

They saying that there are about three hundred monks in this monastery. (I am not sure whether this is true or not.)

Note: only those auxiliaries pertaining to অনুবা (অনু, ইন্), অনু) can precede ক্ৰ্যা. This is not a coincidence. It rather expresses that this is merely what the speaker personally thinks and knows, and that it is not confirmed. The function here is to express that the speaker is saying: "This is what I hear, but I'm not sure." It is always followed by a verb, such as অঅত্যা, বাহুত্বা, ইত্যা, etc.

b) ক্র্ম' manner, way of, mode and style. This ক্র্ম' meaning is mostly same as meaning of সুন্ম'. For example:

क्टि.वी.पंग्रीम.यथट.वीयट.क्ष्म.म.डी.व्हिट.टेट्य.वीयय.यायय.त.क्वी.लाय.या.क्ष्म.य.पं

When we look at the way of his explanation, he is probably a real expert

योष्ट्रयाष्ट्रियान्तराष्ट्रियान्तराष्ट्रयान्तराष्ट्रया

The way of appearing things and the way things exist are not the same.

द्वे अर्बेट र्जुव दृट विट रट वी अर्बेट र्जुव व विट र्पेट

There is a difference between the manner of what you and I see.

3) প্রুব্য

The nominalizer \mathfrak{T} which forms part of the word \mathfrak{T} (tradition/traditional) can also be translated as "the way of doing X."

Note: In comparison with $\sum_{i=1}^{n} |x_i|$, it has a (slightly) different meaning: it carries a sense of "the **traditional** way of doing X" and may therefore not be used for an individual person. For example:

व्रिट्यी स्निट् क प्यनि स्निट्य स्नित्र र्ये त्र

She speaks pleasantly. (refers to one person)

चलाधुलालाकटाषाकुषाःश्रॅलासटार्चाः सेट्रा

In Nepal, there are many traditional ways of getting married. (refers to many people)

Note: Verb + ক্র্রা can always be understood as a short form of: Verb + ট্রাপ্রাক্রার্ক্তবা Thus: ক্র্রেজ ক্র্রাণ্ট্রেলা is the short form of: ক্র্রেজ ক্র্রেলা For example:



सुद्राचारे से त्या चेरा क्षेया से से प्षेत् से त्

Each country (or valley) has unique traditional sayings.

र्चन्यते लें वाबर वार्ने ट क्रेंब तर् के तर् अट सं केंन्र रेन्

There are many traditional ways of celebrating Tibetan New Year.

म्, वार र्टर वेटा ब्रिवाया ग्री रिवा स्त्रुवा ग्री र ख्रा स्टर हे । विवा । विवा र दे

The customs of dressing in India and in the West are completely different.

दते'सुद'रा'ल'कद'त्रुद'र्श्चल'र्सेद्'त धेव'वेद'ह'त्र्द'के'त्र्द'त्रुद'र्श्चल'र्सेद्'।

In my country there is no custom of drinking *chang*. But we do have the tradition of drinking all types of tea.